4. चश्मे की खरीद के लिए आर्थिक सहायता का अनुदान।
5. खान श्रमिकों के लिए कुष्ठ राहत।
6. टी. बी. के रोगियों को घर पर रह कर उपचार।
7. हृदय रोग से पीड़ित खान श्रमिकों को वित्तीय सहायता के रूप में व्यय की प्रतिपूर्ति सम्बन्धी योजना।
8. गुर्दा प्रत्यारोपण आदि से पीड़ित खान श्रमिकों को वित्तीय सहायता के रूप में व्यय की प्रतिपूर्ति संबंधी योजना।
9. खान श्रमिकों के लिए कृतिम अंगों से सम्बन्धित योजना।
10. खानों में कार्यरत खान श्रमिकों के लिए घातक तथा गंभीर प्रकृति की दुर्घटनाओं के लिए योजना।
11. एम्बुलैंस वैन की खरीद के लिए लौह अयस्क और चूना पत्थर और डोलोमाइट खान प्रबन्धन के लिए सहायता अनुदान।

(ख) आवास

1. अपना घर स्वयं बनाओ योजना।
2. समूह आवासीय योजना।
3. टाईप-1 आवासीय योजना।
4. टाईप-2 आवासीय योजना ।

(ग) शिक्षा

1. खान श्रमिकों के स्कूल अथवा कालेज जाने वाले बालकों को छात्रवृत्ति का अनुदान।
2. एक सैट ड्रेस की खरीद के लिए सहायता।
3. स्लेटों/पाठ् पुस्तकों की खरीद के लिए सहायता।
4. स्कूल बस के लिए अनुदान।
5. पुस्तकालय और पठन कक्ष का गठन।
6. पुस्तकालयों के लिए अनुदान।
7. स्कूलों को फर्नीचर तथा उपकरण की खरीद के लिए अनुदान।
8. मध्यावकाश का भोजन।
9. आवास सुविधाओं सहित होस्टल।

(घ) मनोरंजन

1. सामाजिक / सांस्कृतिक / खेल-कूद सम्बन्धी क्रियाकलाप ।
2. श्रमिकों के आवागमन के लिए बसें।
3. दृश्य श्रव्य सैटों/सिनेमा वैनों/फिल्म प्रदर्शिनियों की व्यवस्था।
4. भ्रमण एवं अध्ययन दौरे।
5. टी. वी. सैटों की आपूर्ति।
6. बहु उद्देश्यीय संस्थानों/विकसित बहु उद्देश्यीय संस्थानों की स्थापना ।
7. कल्याण केन्द्रों की स्थापना।
8. एम. पी. आई./डी. एम. पी. आई. कल्याण केन्द्रों को अनुदान।
9. खेल-कूद के मैदान।
10. हालिडे होम्स।

(ङ) जल आपूर्ति

1. कुएं की खोदाई ।
2. छोटे खान मालिकों को सहायता।
3. बड़ी खानों को जल आपूर्ति योजना।

देश में बेरोजगार व्यक्ति

5336. **श्री अजीत जोगी** : क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या कितनी है तथा प्रत्येक राज्य और संघ राज्य क्षेत्र में वहां की कुल जनसंख्या के मुकाबले बेरोजगार व्यक्तियों का प्रतिशत कितना-कितना है;

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक वर्ष में तथा चालू वर्ष में बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या में कुल कितनी वार्षिक वृद्धि हुई है;

(ग) क्या सरकार उन्हें बेरोजगारी भत्ता देने का विचार रखती है;

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार ने शिक्षित बेरोजगार व्यक्तियों की समस्याओं को दूर करने के लिए कोई योजना बनाई है; और

(च) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में उप मंत्री (श्री पवन सिंह घटोवार) : (क) राष्ट्रीय न्मूना सर्वेक्षण के 43वें दौर पर आधारित 1987-88 के दौरान वर्तमान साप्ताहिक स्तर के आधार पर बेरोजगार व्यक्तियों की अनुमानित संख्या और कुल जनसंख्या में उनकी प्रतिशतता विवरण में दर्शाई गई है। (नीचे **देखिए**) उत्तरवर्ती वर्षों के राज्यवार समान अनुमान उपलब्ध नहीं है। तथापि, अप्रैल, 1993 में संपूर्ण भारत की अनुमानित बेरोजगारी लगभग 178 लाख थी।

(ख) अप्रैल, 1991, अप्रैल 1992 और अप्रैल, 1993 में देश में बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या क्रमशः 134, 170 और 178 लाख थी।

(ग) जी, नहीं।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

(ङ) और (च) आठवीं पंचवर्षीय योजना में रोजगार पर विशेष बल दिया गया है। योजना में ऐसे सैक्टरों, सब-सैक्टरों और क्षेत्रों की तीव्रतर वृद्धि सहित आर्थिक विकास को उच्च दर की आवश्यकता पर बल दिया गया है जिनमें रोजगार सृजन की गति बढ़ाने के लिए अपेक्षाकृत उच्च रोजगार सम्भाव्यता है। भौगोलिक रूप से तथा फसलवार विविधीकृत कृषि तंजर भूमि तथा वानिकी का विकास, ग्रामीण और कृषि क्षेत्र तथा ग्रामीण मूलभूत सुविधाओं का विकास, लघु तथा विकेन्द्रीकृत विनिर्माण की तीव्रतर वृद्धि तथा आवास का विस्तार योजना में परिकल्पित रोजगारोन्मुख विकास नीति के मूल तत्व हैं। परिकल्पित विभिन्न उपायों से शिक्षित बेरोजगारों को भी लाभ प्राप्त होने की आशा है। शिक्षित बेरोजगार युवाओं हेतु स्वरोजगार कार्यक्रम में शिक्षित बेरोजगारों युवाओं को आर्थिक सहायता और बैंक ऋण के माध्यम से उद्योग, सेवाओं और व्यापार में स्व-रोजगार युवाओं को प्रोत्साहन प्राप्त होता है। अक्तूबर, 1993 में आरम्भ की गई एक स्वरोजगार योजना "प्रधानमंत्री रोजगार योजना" (पी.एम.आर.वाई.) का उद्देश्य विशेष रूप से बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना है ताकि वे विनिर्माण सेवाओं और व्यापार क्षेत्रों में उद्यम स्थापित कर सकें।

विवरण

वर्तमान साप्ताहिक स्तर (सीडब्ल्यूएस)(1987-88) के अनुसार बेरोजगार व्यक्तियों के राज्यवार अनुमान और कुल जनसंख्या में उनकी प्रतिशतता

क्रम सं०	राज्य/संघ शासित प्रदेश	बेरोजगारों की सं०('000)	कुल जनसंख्या में बेरोजगारों की प्रतिशतता
1	2	3	4
1.	आन्ध्रप्रदेश	1490	2.29
2.	अरुणाचल प्रदेश	1	0.11
3.	आसाम	282	1.53
4.	बिहार	942	1.15
5.	गोवा, दमन और दीव	39	3.13

1	2	3	4
6.	गुजरात	563	1.52
7.	हरियाणा	349	2.11
8.	हिमाचल प्रदेश	64	1.2
9.	जम्मू और कश्मीर	125	1.68
10.	कर्नाटक	569	1.30
11.	केरल	1718	6.50
12.	मध्य प्रदेश	648	0.98
13.	महाराष्ट्र	1091	1.47
14.	मणिपुर	9	0.58
15.	मेघालय	2	0.14
16.	मिजोरम	नगण्य	0.04
17.	नागालैण्ड	2	1.76
18.	उड़ीसा	614	1.93
19.	पंजाब	293	1.43
20.	राजस्थान	709	1.75
21.	सिक्किम	3	0.93
22.	तमिलनाडु	1974	3.41
23.	त्रिपुरा	32	1.31
24.	उत्तर प्रदेश	1218	0.92
25.	पश्चिम बंगाल	1430	2.23
26.	अण्डमान और निकोबार द्वीप	4	1.59
27.	चण्डीगढ़	20	3.50
28.	दादर और नगर हवेली	नगण्य	0.31
29.	दिल्ली	120	1.59
30.	लक्षद्वीप	3	5.82
31.	पांडिचेरी	40	5.16
	योग :	14354	1.78

टिप्पणियां 1. साप्ताहिक स्तर की धारणा के अनुसार बेरोजगार व्यक्ति वह है जो यद्यपि काम के लिए उपलब्ध है परन्तु संदर्भ सप्ताह के दौरान एक घण्टे के लिए भी काम प्राप्त नहीं करता ।

2. बेरोजगार व्यक्तियों के अनुमान भारत के महापंजीयक द्वारा प्रकाशित 1981 और 1991 की जनगणना के आंकड़ों का उपयोग करते हुए 1 जनवरी 1983 को अनुमानित जनसंख्या संबंधी राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के 43वें दौर की अपरिष्कृत दरों का प्रयोग करते हुए प्राप्त किये गये हैं ।

3. रोजगार और बेरोजगारी संबंधी राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के 43 वें दौर (1987–88) के सर्वेक्षण क्षेत्र जम्मू और कश्मीर के लद्दाख और कारगिल जिले और नागालैण्ड के ग्रामीण क्षेत्र शामिल नहीं हैं ।